बनुरी वार्ड, पालमपुर में अनुसूचित जाति उप-योजना के तहत अति निर्धन परिवारों को मुफ्त में बकरे/बकरियां , पशु आहार, खनिज मिश्रण एवं दवाईयाँ आवंटित

भाकृअनुप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केन्द्र, पालमपुर द्वारा अनुसूचित जाति उप योजना के अन्तर्गत बनुरी वार्ड, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा हि.प्र. में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें लगभग 110 किसानों/पशुपालकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत बनुरी वार्ड के अति निर्धन चौदह परिवारों को संकर प्रजाति के चौदह बकरे, छप्पन बकरियाँ, 70 क्विंटल पशु आहार, 7 क्विंटल खनिज मिश्रण एवं दवाईयाँ वितरित की गई। कार्यक्रम में श्रीमती पूनम वाली, मेयर नगर निगम पालमपुर, विशिष्ट अतिथि एवं श्रीमती मोनिका शर्मा, पार्षद, सम्माननीय अतिथि पधारे।

डा. गोरख मल, स्टेशन प्रभारी ने इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी किसानों/पशुपालकों को अनुसूचित जाति उप-योजना की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जाति के अति निर्धन परिवारों की आर्थिकी को सुदृढ़ करना है। पशुओं में उपयोग किए जाने वाले अधिकांश टीकों को हमारे संस्थान द्वारा विकसित किये गये हैं और नियमित रुप से इनमें सुधार किया जाता है। उन्होंने यह भी बताया कि वर्ष 2023 मोटे अनाजों (International Year of Millets) का अंतराष्ट्रीय वर्ष के रुप में मनाया जा रहा है जिसका उद्देश्य किसानों/पशुपालकों को मोटा अनाज बाजरा, ज्वार, जों, राई इत्यादि उगाने एवं सेवन हेतु प्रोत्साहित करना है। यह अनाज मनुष्य के स्वास्थ्य के लिए अति लाभदायक है। इसके निरन्तर सेवन से हृदय रोग, मोटापा, मधुमय इत्यादि रोगों की संभावना काफी कम हो जाती है। उन्होंने बताया कि संस्थान द्वारा अनुसूचित जाति उपयोजना के अंतर्गत 532 एवं जनजातीय उपयोजना के अन्तर्गत 493 मुफ्त दुधारु बकरियां आवंटित की जा चुकि हैं। क्षेत्रीय केन्द्र, पालमपुर द्वारा किसान गोष्ठियां और पशु स्वास्थ्य शिविर से लगभग 14555 किसान (2017-2022) लाभांभित हो चुके हैं। किसानों से कहा कि वह पशुपालन से सम्बन्धित जानकारी एवं समस्या समाधान के लिए भाकृअनुप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केन्द्र, पालमपुर से संपर्क कर सकते हैं।

इस अवसर पर उन्होंने माननीय प्रो.(डा.) त्रिवेणी दत्त सह कुलपति एवं निदेशक का इस उपयोजना में मार्गदर्शन के लिए अपना हार्दिक धन्यवाद किया।

श्रीमती पूनम वाली ने अनुसूचित जाति उपयोजना की सराहना एवं किसानों/पशुपालकों को संस्थान द्वारा चलाई जा रही इस योजना का भरपूर लाभ उठाने का आवाह्न किया। डा. यू. एस. पति, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने बकरें/बकरियों में होने वाली बीमारियों के बारे में पशुपालकों को अवगत करवाया एवं इनके समाधान हेतु उपयोग होने वाली दवाईयों के बारे में भी जानकारी दी। डा. गौरी जैरथ, वैज्ञानिक द्वारा किसानों/पशुपालकों को आवंटित पशु आहार एवं खनिज मिश्रण का उपयोग एवं डा. अजेयता रियालच, वैज्ञानिक द्वारा पशुओं में परजीवियों से होने वाले रोगो के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान किसान गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पधारे किसानों और पशुपालकों की पशुपालन एवं कृषि सम्बंधित समस्याओं का विभिन्न विषय-विशेषज्ञों द्वारा समुचित समाधान किया।

उपयोजना प्रभारी डा. बीरबल सिंह, प्रधान वैज्ञानिक ने सुझाव दिया कि सरकारी योजनाएं आम जनता के कल्याण हेतु होती हैं, लेकिन इनकी सफलता किसानों द्वारा सकारात्मक दिलचस्पी पर निर्भर करती है। उन्होंने किसानों के सहयोग की प्रशंसा की।

श्रीमती मोनिका शर्मा ने संस्थान द्वारा चालित अनुसूचित जाति उप–योजना की सराहना एवं उनके वार्ड को चयनित करने हेतु धन्यवाद दिया। उन्होंने यह भी आग्रह किया कि इस प्रकार की योजना निरन्तर चलती रहनी चाहिए, ताकि अति निर्धन परिवारों की आय में वृद्धि हो सके।

कार्यक्रम संचालिका डा. रिंकु शर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने अतिथियों एवं अन्य वैज्ञानिकों/अधिकारियों/कर्मचारियों का विशेष धन्यवाद किया एवं कार्यक्रम में उपस्थित किसानों एवं लाभार्थियों का कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया।